आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 07 लखनऊ, गुरूवार 21 मई से 27 मई, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

नई स्टार्टअप नीति प्रदेश में बने जिससे प्रदेश का युवा जुड़ सके : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि ंषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए एक नई स्टार्टअप नीति प्रदेश में बने, जिससे प्रदेश का युवा जुड़ सके। इसके साथ ही रोजगार की संभावनाओं को बल मिल सके। योगी आदित्यनाथ ने बुध्ावार को ५ कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश स्टार्टअप फंड का शुभारंभ किया और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक को १५ करोड़ रुपये की प्रथम किश्त सौंपी। इस दौरान उन्होंने कहा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए एक नई स्टार्टअप नीति प्रदेश में बने, जिससे प्रदेश का युवा जुड़ सके। इसके साथ ही रोजगार की संभावनाओं को बल मिल सके। इसी क्रम में प्रदेश सरकार और सिडबी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ है।" मुख्यमंत्री योगी ने कहा, "इस समय बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार और श्रमिक उत्तर प्रदेश में आए हैं। हमें उनके स्किल के अनुसार उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना है। इससे न सिर्फ उनकी समस्याओं का समाध्ाान होगा, बल्कि उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ उत्तर प्रदेश के माध्यम से पूरे देश को भी मिलेगा।" उन्होंने कहा, "हमारी नीयत नेक है, लेकिन नीयत के साथ–साथ निर्णय लेने की क्षमता को भी गति देनी होगी, तभी हम लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर पाएंगे। किसी भी अच्छे कार्य को तीव्रता के साथ आगे बढ़ाने के लिए समय पर निर्णय लेना

अतिआवश्यक होता है, वरना एक बड़ा वर्ग योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाता है। यदि समय पर सही निर्णय लेकर कार्य प्रारंभ कर दिए जाएं तो बहुत सारे लोगों के जीवन को एक नई दिशा दी जा सकती है।" उन्होंने कहा, "हमारी नई स्टार्टअप नीति आ रही है और इस नई नीति के तहत हम अपने अधिक से अधिक युवाओं को अपना स्टार्टअप लगाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। एमएसएमई के लिए भारत सरकार ने जिस नए पैकेज की घोषणा की है, उसके तहत प्रदेश के एमएसएमई विभाग ने पहले कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। जिसके तहत एक बड़ा अनलाइन लोन मेला आयोजित कर उद्यमियों को लोन देने की कार्यवाही को संपन्न किया जा चुका है। इसी तरह से कई और अन्य कार्यों को भी हमने आगे बढ़ाया है।" उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा, "सिडबी के साथ जो आदान–प्रदान और समझौता ज्ञापन प्रदेश में आज स्थापित हो रहा है, निश्चित रूप से उससे स्टार्टअप की स्थापना में गति आएगी और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। उत्तर प्रदेश में तमाम संभावनाएं हैं, यहां के युवाओं के पास नए–नए आईडियास, और कन्सेप्ट हैं, लेकिन उनका उपयोग अब तक नहीं किया गया था। वर्तमान सरकार ने इस विषय पर ध्यान दिया है।"

आपदा के वक्त ऐसी निम्न सियासत की क्या जरूरत : अदिति सिंह

लखनऊ। प्रवासी मजदूरों को लाने में सहयोग की कांग्रेस की पेशकश ने नया सियासी बखेड़ा खड़ा कर दिया है। प्रवासी मजदूरों की बस द्वारा अवाजाही के प्रकरण मामले में कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली सदर की विधायक अदिति सिंह ने ट्वीट करके कांग्रेस

पर सवाल उठाए और कहा, "आपदा के वक्त ऐसी निम्न सियासत की क्या जरूरत, एक हजार बसों की सूची भेजी, उसमें भी आधी से ज्यादा बसों का फजीर्वाड़ा, २६७ कबाड़ बसें, ६८ आटो रिक्शा व एबुंलेंस जैसी गाड़ियां, ६८ वाहन बिना कागजात के, ये कैसा क्रूर मजाक है, अगर बसें थीं तो राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र में क्यूं नहीं लगाई।" उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा, "कोटा में जब यूपी के हजारों बच्चे फंसे थे तब कहां थीं ये तथाकथित बसें, तब कांग्रेस सरकार इन बच्चों को घर तक तो छोड़िए,बार्डर तक ना छोड़ पाई, तब योगी आदित्यनाथ ने रातों रात बसें लगाकर इन बच्चों को घर पहुंचाया, खुद राजस्थान के सीएम ने भी इसकी तारीफ की थी।" ज्ञात हो कि कोरोना संकट में हुई महाबंदी में प्रवासी मजदूरों की घर वापसी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार और कांग्रेस के बीच सियासी जंग तेज हो गई है। मंगलवार को आगरा जिले के फतेहपुर सीकरी क्षेत्र में यूपी–राजस्थान बॉर्डर पर दिनभर अफरा–तफरी का माहौल रहा। इस दौरान जो घटनाक्रम हुआ, उससे प्रदेश की सियासत में काफी गरम है। महासचिव प्रियंका गांधी की ओर से मंगलवार को भेजी गईं बसों को राजस्थान–आगरा सीमा पर रोके जाने की सूचना पर बवाल मच गया। यूपी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू सहित कई नेता पहुंच गए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को राजस्थान सीमा पर धरनास्थल चौमा शाहपुर से गिरफ्तार कर लिये गये। आगरा पुलिस कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को बुधवार दोपहर में न्यायालय में पेश करेगी।

राज्यपाल ने राहत सामग्री वाहन को राजभवन से झण्डी दिखाकर रवाना किया

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रवासी मजदूरों एवं बिना राशन कार्ड वाले परिवारों के लिये वर्ल्ड विजन इण्डिया एवं हैबिटेट फॉर ह्यूमिनीटी इण्डिया संस्था द्वारा वितरित किये जाने वाले २४.६० लाख रूपये की राहत सामग्री वाहन को बुधवार को राजभवन से झण्डी दिखाकर रवाना किया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि राज्यपाल ने सांकेतिक रूप से कुछ जरूरतमंद लोगों को स्वयं राहत सामग्री भी वितरित की। ये संस्थाएं उत्तर प्रदेश में मातृ शिशु स्वास्थ्य पोषण एवं बाल अधिकार के लिये कार्य करती हैं। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड विजन इण्डिया एवं हैबिटेट फॉर ह्यूमिनीटी इण्डिया संस्था द्वारा १,१७० प्रवासी

मजदूरों एवं बिना राशन कार्ड वाले परिवारों को चिन्हित कर उनके सहयोगार्थ राशन सामग्री के पैकेट तैयार किये हैं। राहत सामाग्री में दस किलो आटा, दस किलो चावल, दो किलो अरहर दाल, दो किलो मूंग दाल, दो लीटर तेल, एक किलो नमक, हैण्डवश, मास्क, सेनेटरी पैड, फ्लोर क्लीनर लाइजल, निरमा पाउडर आदि शामिल है। राहत सामग्री को चारबाग, डालीबाग, रहीम नगर, इन्दिरा नगर के लवकुश नगर तथा महानगर क्षेत्रों की मलिन बस्तियों में संस्था द्वारा वितरित किया जायेगा। इस अवसर पर वर्ल्ड विजन इण्डिया की एसोसिएट डायरेक्टर सस्मीता जीना ललित एवं लखनऊ कार्यक्रम प्रबंधक स्टीव डेनिएल रॉव सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

श्रमिको के साथ बसों को जाने की अनुमति दे योगी सरकार : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि लकडाउन के कारण पीड़ा झेलते हुए पैदल चल रहे श्रमिको को सम्मानपूर्वक घर भेजने की जिम्मेदारी सबकी है इसलिये उत्तर प्रदेश सरकार को नोएडा और गजियाबाद बॉर्डर पर खड़ी बसों से प्रवासी मजदूरों को ले जाने की तत्काल अनुमति देनी चाहिये। श्रीमती वाड्रा ने आज कहा की उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डेढ़ हजार से ज्यादा बसों का इंतजाम इन श्रमिको को उनके घर तक पहुंचने के लिए किया है और सभी बसे गजियाबाद और नोएडा बर्डर पर खड़ी है। श्रमिकों के हित में उत्तर प्रदेश सरकार को इन बसों के संचालन की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने

कहा कि राज्य के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुमति मिलने के बाद १७ मई को ५०० बसे और १६ मई को ६०० बसे नोएडा गजियाबाद में खड़ी है लेकिन सरकार इन बसों को मजदूरों को लेकर जाने की अनुमति नही दे रही है। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति नही होनी चाहिये और इन बसों को चलने दिया जाना चाहिए। उनके कहना था कि यदि अनुमति मिल गयी होती तो अब के ६० हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को पहुंच गए होते। उन्होंने कहा कि अब तक कांग्रेस ६७ लाख प्रवादी श्रमिको को उनके घर तक पहुंचा चुकी है जिनमे से ६० लाख लोग प्रवासी सिर्फ उत्तर प्रदेश के हैं।

सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षाः अगली सुनवाई २२ मई को

लखनऊ। सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा मामले में उत्तर पुस्तिका विवाद पर जवाब देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने दो दिन का समय मांगा है। महाधिवक्ता ने स्वयं पेश होकर समय की मांग की है। इस मामले में अब अगली सुनवाई २२ मई को होगी।

सड़क हादसे में छह किसानों की मौत,मुख्यमंत्री दुख व्यक्त किया

अद्भुत समाचार नेटवर्क

इटावा (उप्र)। राष्ट्रीय राजमार्ग २ पर इटावा जिले में फ्रेंड्स कलोनी क्षेत्र में छह किसानों को एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। यह घटना बुधवार तड़के हुई। सभी किसान सब्जी बेचने गए थे और उसके बाद घर लौट रहे थे। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। किसान एक मिनी ट्रक में यात्रा कर रहे थे, जब वे एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गए। एसएसपी इटावा आकाश तोमर दुर्घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचे और घायलों को सैफई के मिनी पीजीआई में शिफ्ट किया। एसएसपी ने कहा, "शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और आगे की जांच जारी है।" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के लिए २–२ लाख रुपये और घायल किसान को ५०,००० रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

सम्पादकीय

लॉकडाउन ४.०, शर्तों के साथ बाजार

योगी आदित्यनाथ सरकार ने लॉकडाउन ४.० में पूर्व शर्तों के साथ बाजार, दुकानें, कार्यालय और औद्योगिक गतिविधि खोलने की अनुमति देने का फैसला किया है। इस फैसले में कहा गया है कि सभी व्यक्तियों और वाहनों की आवाजाही आईपीसी की धारा १४४ के तहत शाम ७ बजे से सुबह ७ बजे के बीच प्रतिबंधित रहेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव आर.के. तिवारी द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, कंटेनमेंट जोन में प्रतिबंध जारी रहेगा। वहीं शहरी क्षेत्रों में एक कंटेनमेंट जोन एक संक्रमित व्यक्ति या कॉलोनी के आसपास २५० मीटर के दायरे में होगा, जो कि २५० मीटर की त्रिज्या के साथ बफर क्षेत्र के साथ संक्रमित व्यक्तियों के एक क्लस्टर के आसपास ५०० मीटर या उससे छोटा है। लॉकडाउन ४.०, ३१ मई तक लागू रहेगा और शनिवार को केंद्र द्वारा जारी दिशा निर्देशों का काफी हद तक पालन किया जाएगा। राज्य सरकार ने सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों को खोलने की अनुमति दी है, जैसे कि प्रिंटिंग प्रेस और ड्राई क्लीनर्स आदि जो कि कंटेनमेंट जोन के बाहर हैं। निश्चित दिनों पर बाजार भी खुलेंगे, हालांकि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ये सभी एक साथ नहीं खुलें। प्रत्येक जिला प्रशासन द्वारा मंगलवार को स्थानीय व्यापारियों के निकायों के परामर्श से कार्यक्रम तय किया जाएगा। विक्रेताओं और हॉकरों को भी अपना काम शुरू करने की अनुमति दी गई है, हालांकि लॉकडाउन के अंत तक सप्ताहांत पर ये निलंबित रहेंगे। दिशानिर्देशों में आगे कहा गया है कि किसी भी दुकान को ऐसे किसी भी ग्राहक को सामान नहीं बेचना चाहिए जो फेस मास्क नहीं पहने हैं। अन्य सभी सुरक्षा सावधानियों जैसे कि सामाजिक गड़बड़ी, सैनिटाइजर और मास्क का उपयोग सभी दुकान मालिकों और विक्रेताओं द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भोजन की होम डिलीवरी के लिए रेस्तरां को कार्य करने की अनुमति दी गई है, लेकिन वे परिसर में भोजन सर्व नहीं कर पाएंगे। लॉकडाउन ४ अवधि के दौरान बार भी बंद रहेंगे। हालांकि, मिठाई की दुकानों को इस शर्त पर खोलने की अनुमति दी गई है कि वे दुकान में ग्राहकों को नहीं परोसेंगे। शादियों को भी अनुमति दी गई है, शादी के लिए भोज हॉल जिला अधिकारियों से पूर्व अनुमति के साथ खुल सकते हैं। समारोह में २० से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते। लॉकडाउन के अंत तक कोई अन्य सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या खेल आयोजन नहीं हो सकता है। इस दौरान मंदिर भी बंद रहेंगे। कंटेनमेंट जोन के बाहर सभी प्रकार की औद्योगिक गतिविधि की अनुमति दी गई है। इसके लिए माल वाहनों की आवाजाही के लिए भी अनुमति दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की अनुमति से, नर्सिंग होम और निजी अस्पताल अपनी आपातकालीन सेवाओं और आवश्यक सर्जरी को फिर से शुरू कर सकते हैं। मुख्य थोक सब्जी और फल मंडी सुबह ४ बजे से ७ बजे तक खुली रहेगी जबकि खुदरा बिक्री सुबह ८ बजे से शाम ६ बजे के बीच हो सकती है। हवाई यात्रा, मेट्रो रेल सेवाएं, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, डाइन–इन सेवाओं के लिए रेस्तरां, सिनेमा हॉल, शॉपिंग मॉल, जिम, स्विमिंग पूल और बार लॉकडाउन में बंद रहेंगे। एयर एंबुलेंस को इससे छूट दी गई है। राज्य सरकार ने यह भी कहा है कि ६५ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों, अन्य बीमारियों से ग्रसित वाले, गर्भवती महिलाओं और १० वर्ष से कम आयु के बच्चों को तब तक घर के भीतर रहना चाहिए जब तक कि कोई चिकित्सीय आपातकाल न हो। एक व्यक्ति दोपहिया वाहन की सवारी कर सकता है, हालांकि महिलाओं को पीछे सवार के रूप में अनुमति दी जाती है लेकिन इसके लिए उनको हेलमेट पहनना होगा।

बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

रामपुर (उत्तर प्रदेश)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और रामपुर में पार्षद के पति अनुराग शर्मा की अगापुर इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बुधवार की देर शाम शर्मा अपनी स्कूटी पर ज्वाला नगर स्थित घर लौट रहे थे, तभी मोटरसाइकिल पर आए अज्ञात हमलावरों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। रिपोटरें के अनुसार, शर्मा की आपराधिक पृष्ठभूमि थी और उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए थे। उनके समर्थकों ने जिला अस्पताल में तोड़फोड़ की जिससे वहां अधिक बल तैनात किया गया। उनकी पत्नी शालिनी शर्मा रामपुर में भाजपा पार्षद हैं। इंस्पेक्टर जनरल रमित शर्मा जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया है और हमलावरों पर नजर रखने के लिए तीन टीमें गठित करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, "हम आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करेंगे। मामले की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने टेस्टिंग क्षमता को बढ़ाकर दस हजार टेस्ट प्रतिदिन किए जाने के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में टेस्टिंग क्षमता को बढ़ाकर दस हजार टेस्ट प्रतिदिन किए जाने के निर्देश दिए है। योगी ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग क्षमता दस हजार प्रतिदिन किए जाए। कोविड अस्पतालों में सभी वेंटीलेटरों को क्रियाशील रखा जाए। वेंटीलेटर को संचालित करने वाले चिकित्सकों और पैरामेडिक्स को प्रशिक्षित किया जाए। कोविड चिकित्सालयों की बेड क्षमता को बढ़ाकर एक लाख बेड किया जाए। इन अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों से नियमित संवाद रखा जाए। चिकित्सा कर्मियों तथा पुलिस कर्मियों को मेडिकल इंफेक्शन से बचाने के लिए सभी प्रबन्ध किए जाएं। उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग के पालन पर बल देते हुए कहा

कि किसी भी स्थिति में कहीं पर भी भीड़ एकत्र न होने पाए। इसके लिए प्रभावी पेट्रोलिंग की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि लोग मास्क अवश्य लगाएं। श्री योगी ने कहा कि लॉकडाउन के सम्बन्ध में केन्द्र सरकार की नवीनतम एडवायजरी का अध्ययन करते हुए कन्टेन्मेन्ट जोन में अनुमन्य की जा सकने वाली गतिविधियों के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि कोविड–१९ से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री द्वारा घोषित २० लाख करोड़ रुपए के विशेष आर्थिक पैकेज की प्रदेश की कार्ययोजना को शीघ्र ही अन्तिम रूप दिया जाए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को विभिन्न जिलों में स्थापित गेहूं क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारीगण राशन की दुकानों का निरीक्षण करते हुए खाद्यान्न वितरण की व्यवस्थाओं की मौके पर समीक्षा करें।

शहरों की तरह गांवों में भी २४ घंटे निर्बाध बिजली दी जाएगी : श्रीकांत शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा कि शहरों की तरह गांवों में भी २४ घंटे निर्बाध बिजली दी जाएगी, जहां पर १५ प्रतिशत से कम लाइन लास होंगी। ऊर्जा मंत्री ने एक बयान में कहा कि सरकार गांवों के जर्जर तार भी प्राथमिकता में बदलेगी। इसके लिए जनसहभागिता की जरूरत है, उन्होंने अनुरोध किया कि सभी लोग इस का हिस्सा बनें जिससे गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री के अभियान को गति दी जा सके। साथ ही ऊर्जा विभाग ने गांवों को २४ घंटे की निर्बाध आपूर्ति की श्रेणी में रखने का निर्णय लिया है। जहां पर १५ प्रतिशत से कम लाईन लास हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांवों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने, ओडीओपी के जरिये गांवों के आर्थिक तंत्र को सुदृढ़ करने के अभियान में जुटी है। गांवों में कुटीर उद्योगों की स्थापना से रोजगार के साधन बढ़ेंगे, बिजली की निर्बाध उपलब्धता इसके लिए

सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार ग्राम पंचायतों, प्रबुद्ध लोगों एवं युवाओं को इस अभियान का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करती है। ग्राम पंचायतें इस प्रतिस्पर्धा में शामिल होकर अपने गांव को २४ घंटे की आपूर्ति व्यवस्था का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों के सभी जर्जर तार सरकार पहले बदलेगी, यहां की व्यवस्था भी पूरी तरह सुदृढ़ की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग अब उपकेन्द्रवार अपने उपक्रमों की समीक्षा करेगा। ऊर्जा विभाग ने ऐसा तंत्र विकसित भी कर लिया है जिससे किसी भी उपकेन्द्र की शक्ति भवन से सीधे समीक्षा की जा सकती है। हम अपने हर उपकेंद्र को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करेंगे। ऐसा करने में बेहतर काम करने वाले कर्मिकों को इनाम भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं को सही बिल समय पर मिले, उन्हें विद्युत संबंधी आवश्यकताओं के लिए किसी का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए पूरे तंत्र में तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देकर जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं।

प्रवासी मजदूरों को सरकारें घर पहुंचाने में सरकारी शक्ति व संसाधन इस्तेमाल करें : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि प्रवासी मजदूरों को सरकारें इंसानियत के नाते घर पहुंचाने में सरकारी शक्ति व संसाधन इस्तेमाल करें क्योंकि देश इनके ही बल पर 'आत्मनिर्भर' बनेगा। मायावती ने सोमवार को ट्वीट किया, "सरकारों से अपील है कि वे अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी के साथ–साथ मानवता व इंसानियत के नाते भी घर वापसी कर रहे गरीब प्रवासी मजदूर परिवारों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाने में सरकारी शक्ति व संसाधन का पूरा इस्तेमाल करें, क्योंकि देश इनके ही बल पर 'आत्मनिर्भर' बनेगा।"

इससे पहले उन्होंने लिखा, "औरैया की भीषण दुर्घटना में मारे गए मजदूरों व घायलों को इकट्ठा ट्रक में भरकर उनके घर भेजने की हृदयहीनता पर उभरा जन आक्रोश उचित ही है। इससे साबित होता है कि सीएम के निर्देशों को गंभीरता व संवेदनशीलता से नहीं लिया जा रहा है। अति–दुःखद। दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।" उन्होंने लिखा, "इतना ही नहीं बल्कि देश में अभी भी हर जगह लाखों गरीब प्रवासी मजदूर परिवारों की बर्बादी, बदहाली व भूख–प्यास आदि के दृश्य मानवता को शर्मसार कर रहे हैं। खासकर ऐसे महाविपदा के समय में इन लोगों पर पुलिस व प्रशासन की बर्बरता को रोकना केन्द्र व राज्य सरकारों के लिए बहुत जरूरी है।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'चिकित्सा सेतु' का लोकार्पण किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'चिकित्सा सेतु' एप फ्रण्टलाइन कोरोना वॉरियर्स को संक्रमण से बचाने में सहायक होने के साथ ही, कोविड–१९ की चेन तोड़ने में भी उपयोगी सिद्ध होगा। योगी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर चिकित्सा शिक्षा विभाग के मोबाइल एप 'चिकित्सा सेतु' का लोकार्पण किया। एप के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड–१९ के संक्रमण से बचाव सम्बन्धी प्रशिक्षण एप की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसके संक्रमण के प्रसार में मेडिकल इंफेक्शन एक महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने भरोसा जताया कि 'चिकित्सा सेतु' एप फ्रण्टलाइन कोरोना वॉरियर्स को संक्रमण से बचाने में सहायक होने के साथ ही, कोविड–१९ की चेन तोड़ने में भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी है और जब तक इसके लिए किसी प्रभावी दवा अथवा वैक्सीन की खोज नहीं कर ली जाती, तब तक इसके संक्रमण से बचाव ही इसका उपचार है।

इसलिए इसके संक्रमण पर नियंत्रण हेतु जागरूकता का प्रसार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'चिकित्सा सेतु' मोबाइल ऐप में उपलब्ध कोरोना संक्रमण से बचाव सम्बन्धी प्रशिक्षण सामग्री, फ्रण्टलाइन कोरोना वॉरियर्स को इसके संक्रमण से बचाते हुए जनसामान्य को बचाने के लिए तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस को रोकना एक अदृश्य शत्रु के विरुद्ध संघर्ष है। कोविड–१९ के विरुद्ध संघर्ष की शुरुआत में सेनिटाइजर, पीपीई किट, एन–९५ मास्क का अभाव था,लेकिन आज इन सभी सामग्री में देश आत्मनिर्भर है। प्रदेश के सभी जिलो में एल–१ और एल–२ अस्पताल स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही, अक्सीजन व वेण्टीलेटर्स की भी व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद फ्रण्टलाइन कोरोना वॉरियर्स को सुरक्षित रखने के लिए उनका गहन प्रशिक्षण आवश्यक है। 'चिकित्सा सेतु ऐप में उपलब्ध सामग्री से फ्रण्टलाइन कोरोना वॉरियर्स अपने प्रशिक्षण को उपयोगी व प्रभावी बना सकेंगे। गौरतलब है कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा लॉन्च किया गया मोबाइल एप 'चिकित्सा सेतु' देश का पहला चिकित्सक प्रशिक्षण एप है। यह एप कोविड–१९ के संक्रमण से बचाव व उपचार के लिए कार्य कर रहे कोरोना वॉरियर्स यथा चिकित्सकों, पैरामेडिकल व नर्सिंग स्टाफ, सफाई कर्मियों, अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों आदि के लिए तैयार किया गया है। ऐप में छोटे–छोटे वीडियो के माध्यम से कोविड–१९ से बचाव, पीपीई किट, एन–९५ मास्क का प्रयोग, संक्रमित मरीजों को शिफ्ट करने आदि के सम्बन्ध में उपयोगी जानकारी दी गई है। यह वीडियो किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्व विद्यालय, लखनऊ (केजीएमयू) के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए हैं। 'चिकित्सा सेतु' एप की सामग्री जनपदों के चिकित्सकों आदि के फीडबैक पर आधारित है। यह ऐप आम जनमानस के लिए भी उपयोगी है। ऐप मूलतः हिन्दी में है, लेकिन इसे अन्य भाषाओं में भी डब किया जा सकता है। एप में कोरोना वायरस से सम्बन्धित हेल्पलाइन के नम्बर तथा भारत सरकार के दिशा–निर्देश भी उपलब्ध हैं। एप के माध्यम से वेबिनार भी आयोजित किया जा सकता है। ऐप का विकास केजीएमयू, चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्मार्ट गवर्नमेण्ट द्वारा किया गया है। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, मुख्य सचिव आर के तिवारी, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ० रजनीश दुबे, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह समय राजनीति का नहीं है मुख्यमंत्री योगी जी : प्रियंका

लखनऊ। प्रवासी श्रमिकों को घर पहुंचाने को आतुर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बसों के संचालन की अनुमति मांगते हुये कहा कि यह समय राजनीति का नहीं है। वाड्रा ने शनिवार को औरैया में हुये हादसे के बाद प्रदेश सरकार से प्रवासी श्रमिकों को घर पहुंचाने के लिये कांग्रेस द्वारा एक हजार बसें चलाने की अनुमति मांगी थी। सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रया सामने नहीं आने के बाद उन्होने बसों के संचालन को लेकर ट्वीट की झड़ी लगा दी। उन्होने पहले ट्वीट में लिखा " हम जो भी योजनाएं बना रहे हैं उनमें उनके लिए कुछ सोचा ही नहीं जा रहा। मजदूरों को घर भिजवाने के लिए कोरी घोषणाएं और ओछी राजनीति से काम नहीं चलेगा। ज्यादा ट्रेनें चलाइए, बसें चलाइए।" उन्होने करीब पांच घंटे बाद फिर ट्वीट किया " हमने १००० बसों की परमिशन मांगी है हमें सेवा करने दीजिए। हमारी बसें बर्डर पर खड़ी हैं। हजारों की संख्या में राष्ट्र निर्माता श्रमिक और प्रवासी भाई–बहन धूप में पैदल चल रहे हैं। परमीशन दीजिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथजी, हमें अपने भाइयों और बहनों की मदद करने दीजिए।" इसके साथ ही वाड्रा ने वीडियो संदेश पोस्ट कर कहा "आदरणीय मुख्यमंत्री जी, मैं आपसे निवेदन कर रही हूँ, ये राजनीति का वक्त नहीं है। हमारी बसें बर्डर पर खड़ी हैं। हजारों श्रमिक, प्रवासी भाई बहन बिना खाये पिये, पैदल दुनिया भर की मुसीबतों को उठाते हुए अपने घरों की ओर चल रहे हैं। हमें इनकी मदद करने दीजिए। हमारी बसों को परमीशन दीजिए।" उधर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने आरोप लगाया कि यूपी के झांसी, मथुरा, यमुनानगर बॉर्डर पर योगी सरकार की पुलिस ने मजदूर भाइयों के ऊपर बर्बर लाठीचार्ज किया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है देश निर्माताओं के ऊपर इस तरीके का बर्बर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा यूपी बर्डर पर खड़ी १००० बसों को योगी सरकार तत्काल अनुमति दें ताकि हम प्रवासी मजदूर भाइयों की मदद कर सकें। विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि हमारी पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने योगी सरकार को पत्र लिखकर १००० बसों को चलाने की अनुमति मांगी थी लेकिन सरकार किसी भी तरह का सहयोग लेने के लिए तैयार नहीं है। दूसरी तरफ हमने राजस्थान से ५०० बसें लाकर यूपी बॉर्डर पर खड़ी की हैं ताकि गरीब भाई–बहनों, शहरों से गांव की तरफ लौट रहे लोगों की मदद हो सके। वे आसानी से अपने घरों को पहुंच सकें, लेकिन हमें वहां भी परमीशन नहीं दिया। सरकार लगातार मजदूरों के दमन पर उतारू है। पूरे प्रदेश में परिवहन फ्री किया जाए, ताकि देश निर्माता मजदूर भाई, बहन अपने घरों को पहुंच सकें।

सरकार लोगों को गैर कानूनी काम करने के लिये बाध्य कर रही : अखिलेश

लखनऊ। समजावादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रवासी मजदूरों को राज्य में न घुसने देने पर भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सरकार तंज कसते हुए कहा कि सरकार लोगों को गैर कानूनी काम करने के लिये बाध्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ऐसा क्यों नही करती कि गरीबों की जिंदगी पर ही रासुका लगा दे। जिस राज्य ने देश को महामहिम और प्रधानमंत्री दिये है उसी उत्तर प्रदेश ने अपनी सीमाओं को गरीबों के लिए सील कर दिया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने मजदूरों से श्रम कानूनों का रक्षा–कवच भी छीन लिया है। यादव ने रविवार को ट्वीटकर कहा "भाजपा सरकार का आदेश है कि प्रवासी मजदूरों को उप्र बार्डर पर न घुसने देंगे, न सड़क या रेल ट्रैक पर चलने देंगे, न ट्रक–दुपहिया से जाने देंगे। भाजपाई गरीब विरोधी नीतियां ही लोगों को गैर–कघनूनी काम करने के लिए बाध्य कर रही हैं। ऐसा करो बाबू गरीब की जिंदगी पर ही रासुका लगा दो!" उन्होंने

कहा कि ऐसा ही दुर्भावपूर्ण व उपेक्षापूर्ण व्यवहार रहा तो कौन प्रवासी मजदूर काम पर लौटेगा। उन्होंने ट्वीटकर कहा "अगर सरकार का गरीब–मजदूरों के प्रति ऐसा ही दुर्भावपूर्ण व उपेक्षापूर्ण व्यवहार रहा तो भला किस पर विश्वास करके ये प्रवासी मजदूर वापस काम पर लौटेंगे। अमीरों की इस सरकार ने अब तो श्रम कघनूनों का रक्षा–कवच भी छीन लिया है। बिना मजदूर के कोई काम–कारखघना कैसे चलेगा, कोई तो समझे। " यादव ने कहा "जिस प्रदेश ने देश को महामहिम दिए, प्रधान जी दिए, उस उप्र ने अपनी सीमाओं को गरीबों के लिए सील कर दिया है। बिना सड़क प्रवासी मजदूर भला कैसे बिहार, उड़ीसा, झारखंड, बंगाल व पूर्वोत्तर जाएंगे। ये हवा–हवाई सरकार कोई हवाई मार्ग ही बता दे। 'वंदे भारत' में गरीब वंदनीय क्यों नहीं है?।" गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रवासियों के पैदल, दो पहिया या ट्रक से उत्तर प्रदेश में प्रवेश पर रोक लगा दी है। शासन ने कहा है कि जिलाधिकारी तय करें कि कोई भी पैदल, अवैध या असुरक्षित वाहनों से यात्रा न करे। ऐसा कही पाया गया तो लापरवाही मानी जायेगी।

ऊर्जा मंत्री ने ट्रस्ट बिलिंग की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देने के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने ट्रस्ट बिलिंग यानी उपभोक्ता द्वारा जनरेट बिल की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देने के निर्देश देते हुये कहा कि अधिकारी खुद से बिल जनरेट करने के तौर तरीकों के बारे में उपभोक्ताओं को समझायें। शर्मा ने मंगलवार को बिल जमा करने में आ रही कठिनाइयों की समीक्षा करते हुये कहा कि अधिकारी ट्रस्ट बिलिंग को बढ़ावा दें, उपभोक्ताओं को खुद से बिल जनरेट करने के तरीकों को प्रचारित करें उन्हें सिखाएं। उन्होंने कहा कि उनका विभाग सभी को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए संकल्पबद्ध है। यह संकल्प सभी के सहयोग से ही संभव है। लकडाउन के नाते उपभोक्ताओं तक बिल न पहुंचने की शिकायतें भी आ रही हैं जिनका निस्तारण तेजी से किया जाना है। उन्होने कहा कि उपभोक्ता खुद से रीडिंग आधारित बिल जनरेट कर सकते हैं। संकटकाल में ट्रस्ट बिलिंग ही बिलिंग संबंधी समस्याओं का निजात है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता यूपीपीसीएल की वेबसाइट पर बिलिंग वाले टैब पर अपनी लॉगिन आईडी बनानी होगी। यहां शहरी व ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए अलग–अलग टैब दिए गए हैं जहां मांगी गई जानकारियां भरकर बिल जनरेट किया जा सकता है। यह प्रक्रिया काफी सरल है और नौ किलोवॉट तक के उपभोक्ता अपना बिल स्वयं जनरेट कर सकते हैं। उन्होने कहा कि सभी डिस्कम एमडी यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बिलिंग केंद्रों पर हेल्प डेस्क बनाकर आने वाले उपभोक्ताओं को इसके बारे में जागरूक करें, जिससे उपभोक्ता इसका लाभ उठा सकें।

लगातार चौथे दिन कांग्रेस और योगी सरकार के बीच छिड़ी जुबानी तकरार

नई दिल्ली। लाकडाउन में रोजी रोटी गंवा कर घर वापसी कर रहे प्रवासी श्रमिकों की सहानुभूति की खातिर बसों के इंतजाम को लेकर कांग्रेस और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच छिड़ी जुबानी तकरार लगातार चौथे दिन मंगलवार को भी जारी है। पिछले शनिवार को कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रवासी श्रमिकों के लिये एक हजार बसें चलाने की अनुमति मांगी थी। सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने के बावजूद अगले दिन यानी रविवार को कांग्रेस की राजस्थान सरकार ने सीमा पर बसों का बेड़ा खड़ा कर दिया। इस बीच वाड्रा ने एक के बाद एक तीन ट्वीट कर योगी सरकार पर निशाना साधते हुये बसों के संचालन की अनुमति देने को कहा। देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट के जरिये प्रतिक्रिया देते हुये इसे कांग्रेस की कुटिल राजनीति का सूचक बताया। योगी ने कहा कि सरकार प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित घर पहुंचाने के लिये कटिबद्ध है और इसके लिये बसों का इंतजाम सीमावर्ती जिलों में किया जा चुका है। बाद में सूबे के अपर मुख्य सचिव गृह ने कांग्रेस से बस का रजिस्ट्रेशन नम्बर,फिटनेस प्रमाणपत्र,चालक परिचालक की सूची मांगी जिसे कांग्रेस ने सोमवार दोपहर बाद सरकार को भेज दिया गया। कांग्रेस द्वारा भेजी गयी सूची को स्वीकार करते हुये सरकार की तरफ से कहा गया कि बसों को लखनऊ चालक परिचालक के साथ भेजा जाये। वाड्रा के निजी सचिव संदीप सिंह ने सोमवार. मंगलवार की रात दो बजे सूबे के अपर मुख्य सचिव गृह को पत्र लिख कर कहा " लाकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूरों के सिलसिले में

रविवार शाम चार बजे सरकार ने एक हजार बसों की सूची चालक परिचालक के नाम के साथ मांगी थी जिसे उपलब्ध करा दिया गया है। आपने मंगलवार सुबह दस बजे लखनऊ में बसें उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है जबकि प्रवासी गाजियाबाद और नोएडा स्थित दिल्ली सीमा पर फंसे है। ऐसे में लखनऊ को बस भेजना समय और संसाधन की बरबादी है और गरीब विरोधी मानसिकता की उपज है। ऐसा लगता नहीं है कि आपकी सरकार श्रमिकों की मदद करना चाहती है। " इसके जवाब में सरकार की ओर से अवस्थी ने वाड्रा के निजी सचिव को पत्र लिखकर कहा कि ५०० बसें गाजियाबाद के कौशांबी और साहिबाबाद बस अड्डे पर दोपहर १२ बजे तक उपलब्ध करा दें। इसके अलावा ५०० बसे गौतमबुद्धनगर को एक्सपो मार्ट के निकट ग्रांउड पर उपलब्ध कराने का कष्ट करें। पत्र का जवाब देते हुये प्रियंका के सचिव ने कहा कि सुबह ११ बजकर पांच मिनट पर पत्र मिलने के बाद इतनी जल्दी बस उपलब्ध कराना मुश्किल है क्योंकि दोबारा परमिट दिलाने की कार्यवाही की जा रही है। बसों की संख्या अधिक होने के कारण इसमें कुछ समय लगेगा। आग्रह है कि शाम पांच बजे तक समय देने की कृपा करें और साथ ही सरकार यात्रियों की सूची और रोडमैप तैयार रखे ताकि संचालन में हमे कोई आपत्ति न आये। दोपहर एक बजे श्रीमती वाड्रा के निजी सचिव ने कांग्रेस के मीडिया ग्रुप में पोस्ट किया कि बसें बार्डर पर तैयार खड़ी है लेकिन उन्हे प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि उन्हे ऊपर से कोई आदेश नहीं है। आखिर यह हो क्या रहा है। क्या तानाशाही है। बसों की कतार लगी है मगर घुसने नहीं दे रहे है। इसके साथ ही कतारबद्ध बसो का वीडियो भी शेयर किया है। इस बीच दोपहर तीन बजे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। उम्मीद है कि पत्रकार सम्मेलन का मकसद बस संचालन के विषय से जुड़ा होगा।

बाहर से आने वाले श्रमिक स्वास्थ्य विभाग का सरदर्द बढ़ा रहे हैं

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। राजधानी समेत पूरे प्रदेश में बाहर से आने वाले श्रमिक स्वास्थ्य विभाग का सरदर्द बढ़ा रहे हैं। शनिवार को मुम्बई से आए सात श्रमिकों सहित १० लोगों में कोरोना की पुष्टि की गयी। इसके अतिरिक्त कोरोना से ठीक हुए १५ मरीजों को डिस्चार्ज भी किया गया। गोमतीनगर के विरामखंड और कैसरबाग में कोरोना संक्रमण से मुक्ति के लिए स्क्रीनिंग अभियान भी चलाया गया। बता दें कि कोरोना का संदिग्ध मरीज मानकर २११ लोगों के नमूने लिए गये हैं। अभी तक २६७ लोगों में कोरोना की पुष्टि की जा चुकी है, इनमें राजधानी में अब तक कुल २२७ लोगों को कोरोना से ठीक होने पर छुट्टी दी जा चुकी है। आपको बता दें कि, स्वास्थ्य विभाग ने दस मरीजों में कोरोना की पुष्टि की, इसमें कैन्ट इलाके से दो महिलाओं में कोरोना की पुष्टि की गयी। इस इलाके में बड़ी संख्या में लोग कोरोना से संक्रमति हो चुके हैं। कोरोना पुष्टि होने पर इन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीम ने केजीएमयू में भर्ती कराया है। इसके अलावा किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के क्वीनमेरी अस्पताल में भर्ती एक महिला में कोरोना की पुष्टि की गयी है। यह महिला काकोरी इलाके की रहने वाली है। क्वीनमेरी में पहला कोरोना पॉजिटिव मामला सामने आया। इसके अलावा राजधानी में प्रवासी मजदूरों का शहर आना जारी है। ऐसे में सभी को क्वारंटीन कराया जा रहा है और सीएमओ की टीम ने क्वारंटीन सेंटर से सैम्पल जांच के लिए भेजती है। शनिवार की रिपोर्ट में मुम्बई से आए सात श्रमिक कोरोना संक्रमति मिले, इनमें तीन काकोरी, दो बक्शी का तालाब, एक निगोहां और एक नगराम का रहने वाला है। इनको स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दो अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है। छह को लोकबंधु राजनारायण अस्पताल और एक मरीज को बक्शी का तालाब स्थित राम सागार मिश्रा सौ शैय्या चिकित्सालय में भर्ती कराया है। सीएमओ डा. नरेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि कोरोना से ठीक हुए १५ मरीजों को छुट्टी दी गयी है। इनमें लोकबंधु अस्पताल में आठ, बक्शी का तालाब स्थित राम सागर मिश्रा सौ शैय्या अस्पताल में छह और पीजीआई में एक में भर्ती थे। इसके अलावा कैसरबाग और गोमतीनगर के विरामखंड २, ३, ४ और ५ में संक्रमण से मुक्ति के लिए तीन सदस्य ३० टीम एवं २० सुपरवाइजर की टीमों द्वारा कार्य किया गया। प्रत्येक टीम में १ स्वास्थ्य विभाग, एक प्रशासन से तथा एक पुलिस विभाग के सदस्य शामिल थे। टीम ने घर–घर जाकर लोगों को जागरूक किया। टीम द्वारा २५३८ घर का भ्रमण किया गया और ६०१७ जनसंख्या को आच्छादित किया गया।

उपभोक्ता हित में जो भी काम हैं उसे तत्परता से कराया जाए : उपभोक्ता परिषद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता परिषद ने सोमवार को ऊर्जा मंत्री से मुलाकात की। उनसे जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उपभोक्ताओं और किसानों की सहूलियत के लिए सभी तरह के प्रयास पवर कार्पोरेशन की तरफ से किए जाने की मांग की गई। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि लकड डाउन को ३१ मई तक बढ़ा दिया गया है। ऐसे में जिन लोगों ने शादी समेत अन्य कामों के लिए अस्थायी कनेक्शनों के लिए भुगतान किया है, उसे या तो समायोजित करा दिया जाए या उपभोक्ता को वापस कर दिया जाए। प्रदेश में हजारों किसान निजी नलकूपों के कनेक्शन के लिए सामान्य योजना में पैसा जमा करा चुके हैं। स्टोर से उपकरणों

के नहीं होने से उनके कनेक्शनों को नहीं निर्गत किया जा सका है। उन्होंने कहा कि अब किसानों के कनेक्शनों को जारी करवा दिया जाए। स्मार्ट मीटर फीडिंग दिक्कत सहित उपभोक्ता हित में जो भी काम हैं उसे तत्परता से कराया जाए।

प्रवासी मजदूरों का सहयोग किया जाना बहुत ही काबिलें तारीफ : मंत्री श्रीकांत शर्मा

लखनऊ। उ.प्र. पावर आफीसर्स एसोसिएशन की ओर से प्रवासी मजूदरों के सहयोग के लिए चलाए ला रहे अभियान की ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि संगठन के सदस्यों द्वारा प्रदेश की बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ ही जनसेवा का जो कार्य किया जा रहा बहुत ही सराहनीय है। इस दौरान प्रवासी मजदूरों का सहयोग किया जाना बहुत ही काबिलें तारीफ है। उन्होंने इस कार्य के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। बता दें कि पवर आफीसर्स एसोसिएशन की ओर से सोमवार को भी चौथे दिन भी लकडाउन के नियमों को मानते हुए फैजाबाद रोड पर एक हजार मजदूरों को सभी आवश्यक वस्तुएं सैनीटाइजर, मास्क, पानी की बोतलें, बिस्किट, कोल्ड ड्रिंक, गमछा ,डबल रोटी, केला नमकीन के पैकेट सहित अन्य वस्तुएं मुहैया कराईं। संगठन के इस सहयोग के लिए सेवा ले रहे मजदूरों ने जमकर तारीफ की और ताली बजाकर स्वागत किया। उ.प्र.

पावर आफीसर्स एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष एसपी सिंह, पीएम प्रभाकर, अतिरिक्त महासचिव अनिल कुमार, सचिव आरपी केन, संगठन सचिव अजय कुमार , मध्यांचल अध्यक्ष महेंद्र सिंह, संगठन सचिव प्रेमचंद्र, अजय कुमार कनौजिया, आनंद कुमार कनौजिया, सिविल अध्यक्ष बीना दयाल ने सुर से सुर मिलाते हुए कहा कि बेबसी के इस दौर में मजबूरों की सेवा करके सुकून मिल रहा है।

सड़क दुर्घटना में तीन प्रवासी महिलाओं की मौत

महोबा। प्रवासी श्रमिकों को ले जा रहे एक मिनी ट्रक का टायर फटने के बाद उसके पलट जाने से हुई सड़क दुर्घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि १७ अन्य व्यक्ति घायल हो गए। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के कमलपुरा गांव में दुर्घटना सोमवार देर रात उस वक्ता हुई, जब मध्य प्रदेश स्थित छतरपुर के एक क्रशर से सामग्री ले जा रहे मिनी ट्रक का टायर फट गया। दरअसल, २२ प्रवासी श्रमिक भी मिनी –ट्रैक पर चढ़े थे और जब वाहन पलट गया, तो सभी श्रमिक क्रशर सामग्री के नीचे दब गए। जिले के अधिकारी सूचना मिलने के तुरंत बाद दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और क्रेन की मदद से मजदूरों को बचाया। महोबा के पुलिस अधीक्षक एम. एल. पाटीदार ने कहा कि वाहन का टायर फट गया, जिसके चलते वह पलट गया।

सड़क हादसा, 15 प्रवासी मजदूर घायल

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में सोमवार सुबह बस पलटने से १५ प्रवासी मजदूर घायल हो गए। हादसे के दौरान बस के अंदर ३१ लोग सवार थे। यह बस हादसा सोमवार तड़के उस समय हुआ, जब रोडवेज की बस नोएडा से मजदूरों को लेकर आ रही थी। इसी दौरान बस दुर्घटना का शिकार हो गई और हमीरपुर सिटी फरेस्ट के पास पलट गई। घायल हुए मजदूरों को नजदीकी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इससे पहले रविवार रात प्रवासी मजदूरों को नोएडा से लेकर बिहार जा रही एक बस यूपी के कुशीनगर जिले के पटहरेवा थाना क्षेत्र में प्याज लदे ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे में १२ लोग घायल हो गए। बस के चालक और खलासी की हालत चिंताजनक है जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीएम और एसपी को जांच के निर्देश दिए हैं।

इग्नू ने एमए हिंदी पाठ्यक्रम को ऑनलाइन किया

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने एमए हिंदी कार्यक्रम को अब ऑनलाइन कर दिया है। इग्नू ऐसा करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इग्नू के एमए हिंदी ऑनलाइन कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर मंत्री निशंक ने कहा, इग्नू द्वारा शुरू किया गया अनलाइन एमए हिंदी का पाठ्यक्रम बहुत सारे छात्रों को लाभान्वित करेगा। इस पाठ्यक्रम को अनलाइन पढ़ाने की शुरुआत के साथ ही इग्नू विश्व का पहला विश्वविद्यालय बन गया है जो एमए हिंदी का पूरा पाठ्यक्रम अनलाइन भी पढ़ाएगा। इस अनूठी उपलब्धि के लिए मैं इग्नू के कुलपति नागेश्वर राव को बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि इग्नू की इस पहल से अन्य

विश्वविद्यालय भी आगे आएंगे और जल्द से जल्द ऑनलाइन शिक्षा से जुड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री ने सभी विश्वविद्यालयों को आश्वासन देते हुए कहा कि मंत्रालय की तरफ से उनको ऑनलाइन शिक्षा से संबंधित हर संभव मदद दी जाएगी। इसके अलावा निशंक ने दर्शनशास्त्र में एमए, गांधी और शांति अध्ययन में एमए, पर्यटन अध्ययन में स्नातक उपाधि, पुस्तकालय विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान के सर्टिफिकेट आदि कार्यक्रमों का भी शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्थिक पैकेज की आखरी किश्त की घोषणा करते समय ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कहा था कि देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों को ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की शुरुआत करनी चाहिए। उस घोषणा के बाद इग्नू पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जिसने एमए हिंदी का पाठ्यक्रम ऑनलाइन पढ़ाने का फैसला किया है।

विपक्ष मजदूरों की मजबूरी पर सियासत ना करे उनकी मदद के लिये आगे आए : श्रीकांत शर्मा

मथुरा। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा कोविद –१९ से बचाव के लिये लागू लॉकडाउन के कारण विपक्ष को मजदूरों की मजबूरी पर सियासत करने की बजाय उनकी मदद के लिये आगे आना चाहिए। श्रीकांत शर्मा ने रविवार को यहां जारी बयान में कहा कि विपक्षी दल मजदूरों की मदद करने की बजाय सियासत करने जुटे है। इस संकट के दौर में सबकों एक साथ खड़ा रहकर एक दूसरे की मदद करनी चाहिये। विपक्षी दल मजदूरों की मजबूरी पर सियासत करने में जुटे है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण काल में भी केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरी ताकत के साथ आम जनमानस की भलाई के लिए कार्य करने में जुटी है। उन्होंने कहा कोरोना जैसे बडे संकट के समय में भूखा गरीब खाली पेट सोने को मजबूर न हो इसके लिये केन्द्र सरकार ने ८.५ करोड परिवारों को तीन माह तक गैस के सिलेन्डर तथा अनाज मुफ्त दिया है। केन्द्र सरकार करीब ३५०० करोड़ रूपए की धनराशि प्रवासी मजदूरों की सहायता के लिए खर्च कर रही है। इस धनराशि से उनके लिए खाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्हें दो महीने का राशन दिया जा रहा है। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि लकडाउन के दौरान सभी को मिलकर टीम भावना से काम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार ने श्रमिकों के लिए १०३४ ट्रेन चलाई हैं जिनमें लगभग ८५ प्रतिशत उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए है। अभी तक १२ लाख से अधिक लोगों को सम्मानजनक तरीके से उनके गंतव्य स्थान तक पहुचाया गया है। ऊर्जा मंत्री ने कांग्रेस पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सीधे खाते में राशि देने की बात करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि २० करोड़ से अधिक जनधन खाता धारक महिलाओं के खाते में २० हजार करोड से अधिक की राशि दो किश्तों में दी जा चुकी है। सरकार यह राशि सीधे ही उनके खाते में भेज रही है। इसी प्रकार से दो करोड २० लाख श्रमिकों के खाते में ३६५० करोड रूपए भेजे जा चुके हैं।

प्रवासियों उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए बसों की तैनाती शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रवासियों को उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए बसों की तैनाती शुरू हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि अब कोई प्रवासी

मजदूर अपने घरों तक पैदल नहीं जा रहा है। यूपीएसआरटीसी के एमडी राज शेखर ने कहा, "हम जिला मजिस्ट्रेटों के लिखित अनुरोध पर विभिन्न जिलों में जितनी बसों की आवश्यकता होगी ,उतनी बसें भेजेंगे। हमने अपने ड्राइवरों और कंडक्टरों को भी निर्देशित किया है कि प्रवासियों को उनके गंतव्य तक छोड़ने के बाद वापस आते समय, यदि वे अन्य प्रवासियों को पैदल चलते हुए देखते हैं, तो वे उन्हें खाली बसों में सवार करें और उन्हें जिला सीमाओं पर पिकअप प्वाइंट्स तक छोड़ें।" बसों को सभी जिलों की सीमाओं पर पिक–अप पॉइंट पर तैनात किया जाएगा। औरैया सड़क दुर्घटना के बाद शनिवार की सुबह जिसमें २४ प्रवासी मारे गए थे, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश दिया कि किसी भी प्रवासी को पैदल, साइकिल या अनाधिंत वाहनों पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने शनिवार को आधी रात तक चली सभी जिला मजिस्ट्रेटों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई एक बैठक में कहा कि अगर प्रवासियों को अपने गंतव्य के लिए पैदल जाते हुए पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सभी प्रवासियों को प्रवेश बिंदुओं पर रोक दिया जाना चाहिए, उन्हें वहीं भोजन और पानी दिया जाना चाहिए और फिर उनकी मेडिकल स्क्रीनिंग की जानी चाहिए। उन्होंने आदेश दिया, "इस प्रक्रिया के बाद, प्रवासियों को बसों में उनके गंतव्यों तक ले जाना चाहिए।" मुख्यमंत्री द्वारा यह निर्देश जारी करने के तुरंत बाद, राज्य की राजधानी के सभी प्रवेश बिंदुओं पर प्रवेश रोक दिया गया है। इस बीच, लखनऊ के पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडे ने कहा, "दो इंस्पेक्टर, आठ सब–इंस्पेक्टर और ३० कांस्टेबल के अलावा पीएसी की एक कंपनी को हर एंट्री प्वाइंट पर तैनात किया जाएगा। प्रवासी कामगारों को पैदल, ऑटो, टेम्पो, साइकिल या ट्रकों परजाने की अनुमति नहीं होगी। उन्हें बसों में उनके गंतव्य तक ले जाया जाएगा।" इसके एक घंटे के भीतर ही लखनऊ–कानपुर राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतार देखी गई। झांसी में उत्तर प्रदेश–मध्य प्रदेश सीमा पर रक्सा में रविवार सुबह लगभग २० किलोमीटर तक यातायात जाम हो गया।

जनपद स्तर पर पल्स ऑक्सीमीटर का उपयोग सुनिश्चित हो : अपर मुख्य सचिव (गृह)

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी ने मुख्यमंत्री के हवाले से कहा कि जनपद स्तर पर पल्स अक्सीमीटर का उपयोग सुनिश्चित हो, इसकी तत्काल व्यवस्था की जाए। सोमवार को लोकभवन में कोरोना वायरस के संबंध में की गई प्रेस कांफ्रेंस में अवस्थी ने कहा कि टीम ११ के साथ समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लकडाउन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर पल्स अक्सीमीटर का उपयोग सुनिश्चित हो, इसकी तत्काल व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा का कि पल्स ऑक्सीमीटर से किसी भी व्यक्ति के शरीर में अक्सीजन की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली जा सकती है। इसके आधार पर कोरोना संक्रमण के प्राथमिक स्तर पर जानकारी मिलने में भी आसानी होगी। अपर मुख्य सचिव (गृह) ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए पल्स ऑक्सीमीटर को आशा वर्कर, एएनएम व फील्ड कर्मचारियों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि राष्ट्रीय राज्यमार्ग, राज्यमार्गों पर स्थित टोलप्लाजा पर प्रवासी कामगारों के लिए भोजन व पेयजल की निशुल्क व्यवस्था हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि प्रदेश की सीमा से बाहर से आने वाले लोगों का सम्मानजनक स्वागत हो, इसके लिए उन्हें पानी की एक बोतल जरूर दी जाए। इसके बाद उनकी स्क्रीनिंग कराकर जनपद तक पहुंचने में हर संभव सहायता की जाए। इतना ही नहीं, सीएम योगी ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रदेश के सभी नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, चौराहे व मार्गों की सघन पेट्रोलिंग की जाए। विशेषकर, रात में पुलिस को पेट्रोलिंग बढ़ाने का निर्देश दिया है। अपर मुख्य सचिव (गृह) ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के लिए लगातार श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। अब तक गुजरात से २७५, महाराष्ट्र से १४०, पंजाब से १०१, राजस्थान से १७, दिल्ली से ६, तेलंगाना से ७, कर्नाटक से २०, आंध्रप्रदेश से २, मध्यप्रदेश से २ ट्रेन सहित कुल ५६० ट्रेनों से ७ लाख ६० हजार से अधिक श्रमिकों व कामगारों की वापसी हुई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब ४८ स्टेशनों को इन ट्रेनों के आगमन के लिए सुनिश्चित कर लिया गया है।

धनंजय सिंह की जमानत याचिका गुण दोष के आधार पर खारिज

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) मनोज कुमार ने बुधवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत याचिका को गुण दोष के आधार पर सुनवाई के पश्चात खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार जिले में लाइन बाजार

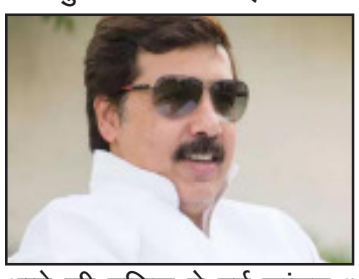

थाने की पुलिस ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह के ऊपर धारा ३६४, ३८६, ५०४ और ५०६ के तहत मुकदमा दर्ज करके मुख न्यायिक मजिस्ट्रेट (सी जे एम) विकास सिंह की अदालत में गत ११ मई को पेश किया था। अदालत ने जमानत अर्जी खारिज करते हुए १४ दिन की न्यायायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है। सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण और धमकाने के आरोप में पूर्व सांसद धनंजय सिंह को दस मई की रात गिरफ्तार किया गया था। गौरतलब है कि जौनपुर नगर में चल रहे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के मैनेजर अभिनव सिंघल ने गत दस मई रविवार को लाइन बाजार थाने में तहरीर दिया कि पूर्व सांसद धनंजय सिंह अपने आदमियो प्रवीण सिंह व विक्रम सिंह से जबरदस्ती मुझे अपने आवास पर बुलाकर धमकाया और जान से मारने की धमकी दी थी। पूर्व सांसद धनंजय सिंह व उनके दो सहयोगियों के विरुद्ध लाइन बाजार थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। कई थानों की पुलिस ने १० मई की रात करीब दो बजे धनंजय के आवास पर छापे मारी करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्व सांसद व उनके दो सहयोगियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विकास सिंह के न्यायालय में ११ मई को पेश किया जहां पर अदालत ने जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त करते हुए उन्हें १४ दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पूर्व सांसद धनंजय सिंह के प्रार्थना पत्र पर आज जिले के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) मनोज कुमार के न्यायालय में सुनवाई हुई और अदालत ने उनके जमानत प्रार्थना पत्र को गुण दोष के आधार पर निरस्त (खारिज) कर दिया, अब श्री सिंह जमानत के लिए इलाहाबाद उच्च नयायालय याचिका दाखिल करेंगें।

दक्षिण बंगाल के जिलों में तेज हवाएं, भारी बारिश

कोलकाता। सुपर साइक्लोन (चक्रवात) से कमजोर होकर 'बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान' में तब्दील हो चुके चक्रवात अम्फान के आज दोपहर और शाम के बीच बंगाल में दस्तक देने की आशंका है, जबकि दक्षिण बंगाल के जिलों में सुबह से ही तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश होने लगी। अम्फान ओडिशा में पारादीप से १५५ कलिमीटर दूर दक्षिण–दक्षिण पूर्व में केंद्रित है, यह दीघा से १७७ किलोमीटर दूर दक्षिण में और कोलकाता से २६० किलोमीटर दूर है, यह पिछले ६ घंटों के दौरान २२ किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से उत्तर–उत्तरपूर्व की ओर बढ़ा है। मौसम विभाग के सूत्रों के अनुसार, अम्फान उत्तर–उत्तरपूर्व की ओर बढ़ेगा और सुंदरबन क्षेत्र के करीब स्थित दीघा और हटिया द्वीप के बीच पश्चिम बंगाल–बांग्लादेश तट

रेखा से होकर गुजरेगा। पूर्वी मिदनापुर, दक्षिण २४–परगना और उत्तर २४–परगना सहित पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों से ३ लाख से अधिक लोगों को पहले ही निकाला जा चुका है। दक्षिण बंगाल के अन्य जिलों जैसे पश्चिम मिदनापुर, हावड़ा, हुगली, और कोलकाता में भी चक्रवाती तूफान के दौरान भारी बारिश होगी, जो १९९९ के बाद से बंगाल की खाड़ी में सबसे भीषण तूफान होगा। पूर्वी रेलवे (ईआर) के सूत्रों ने बताया कि आज ०२३०१ हावड़ा–नई दिल्ली एसी स्पेशल एक्सप्रेस का प्रस्थान रद्द कर दिया गया है। इसी तरह २१ मई को ०२३०२ नई दिल्ली–हावड़ा एसी स्पेशल एक्सप्रेस भी रद्द रहेगी। पश्चिम बंगाल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है। राज्य सचिवालय नबन्ना में एक नियंत्रण कक्ष खोला गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य सचिव राजीव सिन्हा के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है, जो चक्रवात अम्फान के दौरान राहत और बचाव कार्यों की निगरानी करेगा।

दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की संख्या 11000 के पार

नई दिल्ली। राजधानी में वैश्विक महामारी कोविड–१९ का कहर पिछले २४ घंटों में और भयावह हो गया और रिकर्ड ५३४ नये मामले सामने आने से संक्रमण प्रभावितों की कुल संख्या ११ हजार को पार कर गई और मृतकों की संख्या दस बढकर १७६ पर पहुंच गई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार ५३४ नये मामलों के साथ कुल संख्या ११०८८ पर पहुंच गई। राजधानी में नये संक्रमितों की यह संख्या अब तक एक दिन में सर्वाधिक है। कल ५०० मामले आए थे। इस प्रकार दिल्ली में गत दो दिन में संक्रमण के एक हजार से अधिक मामले आए। इस दौरान दस मरीजों की मृत्यु से मरने वालों की कुल संख्या १७६ हो गई। देश में कोरोना संक्रमण के मामले में महानगरी चौथे स्थान पर है। फिलहाल वायरस के सक्रिय मामले ५७२० हैं। इस दौरान ४४२ मरीज ठीक हुए और अब तक ५१६२ मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। दिल्ली में संक्रमितों में सर्वाधिक संख्या ५० वर्ष से कम आयु वर्ग में ७८१३ है और मृतक ३७ हैं। पिछले २४ घंटों में इस वर्ग में ३८४ नये मामले आये और तीन

मरीजों की मृत्यु हुई। कल ३७३ मामले जुड़े थे। पचास से ५६ वर्ष उम्र के मरीज १७०३ और मृतक ४७ हैं। इस वर्ग के ७६ नये मामले आए जबकि दो और मरीजों की मौत हुई। सबसे कम संक्रमित ६० वर्ष से ऊपर आयु वर्ग में १५७१ हैं जबकि मृतक सर्वाधिक ६२ हैं। पिछले २४ घंटों में इस श्रेणी में सबसे कम संक्रमित ६६ आए जबकि सबसे ज्यादा पांच मौंते हुईं। संक्रमितों में मृतकों का प्रतिशत १.५६ फीसदी है।

भाजपा को श्रमिकों की व्याकुलता को अपने राजनीतिक स्वार्थसाधन के लिए इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी(सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सरकार को कोरोना संकट इस दौर में मजदूरों की घर पहुंचने की व्याकुलता को भी अपने राजनीतिक स्वार्थसाधन के लिए इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं है। यादव ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि प्रदेश में दिन रात चल रहे श्रमिकों की दुर्दशा की दर्दनाक कहानी सुनकर दिल दहल जाता है। रोज ही वे दुर्घटनाओं के शिकार होकर जानें गंवा रहे हैं। इस सबसे उदासीन भाजपा सरकार ने सभी मानवीय मूल्यों को रौंद दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को मजदूरों की घर पहुंचने की व्याकुलता को भी अपने राजनीतिक स्वार्थसाधन के लिए इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं है। उन्होंने कहा कि समझ में नहीं आता कि जब सरकारी, प्राईवेट और स्कूलों की पचासों हजार बसें खड़े–खड़े धूल खा रही हैं तो प्रदेश की सरकार श्रमिकों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए इन बसों का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रही है। सरकार की हठधर्मिता बहुत भारी पड़ रही है। जो मदद को हाथ बढ़ते हैं उनको झटक देने का अमानवीय बर्ताव भाजपा का आचरण बन गया है। यादव ने कहा कि भाजपा वह बहाने पर बहाने बनाकर श्रमिकों के घर पहुंचने में अवरोधक बन रही है। भूखे–प्यासे श्रमिक, महिलाएं, बच्चे भयंकर गर्मी में नारकीय यातना भोग रहे हैं। भाजपा सरकार की गरीब और श्रमिक विरोधी नीतियों का ही फल है कि रोजाना ही सड़क हादसों में श्रमिकों की जानें जा रही है। उन्होंने कहा कि औरैया काण्ड में मृतकों के साथ भाजपा सरकार के असंवेदनशील बर्ताव को दुनिया जान चुकी है। इटावा में ट्रक की चपेट में आकर छह किसानों की मौत हो गई। कानपुर में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर हुई दुर्घटना में श्रमिक के बच्चे की मौत हो गई और १२ लोग घायल हो गए। आजमगढ़ के अतरौलिया क्षेत्र में हाईवे पर मऊ निवासी दो छात्रों समेत तीन लोगों की मृत्यु हो गई। सरकार को कोई परवाह नही है।

०२ वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मोहम्मद अरशद

मऊ। दिनांक १७.०५.२० को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा

देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना घोसी पुलिस द्वारा मु०अ०सं० ३५६/२० धारा ३२३, ५०४, ५०६, ३०८ भदावि० में वांछित अभियुक्त राहुल पुत्र कैलाश निवासी मुगेशर थाना घोसी मऊ, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा बल्लीपुरा मोड़ के पास से मु०अ०सं० २६५/२० धारा ३२३, ५०४, ५०६, ४५२, ३५४ भदावि० में वांछित अभियुक्त सुमित पुत्र जयप्रकाश निवासी कतुआपुरा थाना कोतवाली मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

अद्भुत भिखारीः ऑन लाइन भिखारी

अमरेन्द्र सहाय अमर

आज दुनिया आनलाइन हो रही है. सारा काम इंटरनेट के माध्यम से हो रहा है. अब तो अपराध भी आन लाइन हो रहे हैं. साइबर ठगी का मामला दिन प्रतिदिन अखबारों, मीडिया और सोशल मीडिया पर छाया ही रहता है. सरकार कितनी भी कोशिश कर ले लेकिन साइबर अपराधी बचने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लेते हैं. कहा जाता है बिहार में साइबर ठगी का स्कूल भी चलता है. खरीदने बेचने वाले साईटस पर भी जम कर ठगी होती है. कभी कभी कुछ मामले ट्रेस हो जाते हैं लेकिन अधिकतर पकड़ से बाहर रहते हैं. साइबर ठगी अब नए–नए रूप ले चुका है और रोज हजारों लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं. लोग कभी बैंक या पेटीएम से कॉल आने के नाम पर ठगे जा रहे हैं, तो कभी आकर्षक ऑफर के लालच में ठग लिए जाते हैं. अब लोग ओटीपी और सीवीवी जैसी संवेदनशील जानकारी देने से बचने लगे हैं, तो साइबर ठगों ने भी नए तरीके निकाल लिए हैं. आज हम आपको एक महिला की नायब ठगी की रोचक जानकारी आपको देने जा रहे हैं. जिसने सिर्फ १७ दिन में ही लगभग ३५ लाख रूपये लोगों से

ठग लिए. संयुक्त अरब अमीरात यानि यू ए ई में एक महिला को लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. महिला पर आरोप है कि उसने खुद को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक असफल शादी का शिकार बताकर अपने बच्चों की परवरिश के लिए लोगों से मदद की अपील की और ५० हजार डॉलर यानि १८३,५०० दिरहम यानि लगभग ३५ लाख रूपये जुटा लिए. दुबई पुलिस के अधिकारी ने रविवार को कहा कि महिला ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर अपनी पोस्ट के माध्यम से कई लोगों को ठगा और यह बड़ी रकम इकटठा की. खलीज टाइम्स ने दुबई पुलिस के आपराधिक जांच विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर जमाल अल सलेम अल जल्लाफ के हवाले से बताया गया कि कि महिला ने ऑनलाइन अकाउंट बनाए और अपने बच्चों की तस्वीरों के माध्यम से उनकी परवरिश के लिए और उन पर होने वाले बढ़ते खर्चो के लिए आर्थिक मदद मांगी. ब्रिगेडियर अल जल्लाफ ने कहा, वह लोगों को बता रही थी कि वह तलाकशुदा है और अपने बच्चों को खुद पाल रही है. लेकिन उसके पूर्व पति ने अपराध मंच के माध्यम से पुलिस को सूचना दी और साबित किया कि बच्चे उनके साथ रह रहे हैं अधिकारी ने कहा,कई दोस्तों और रिश्तेदारों के फोन आने के बाद पति को अहसास हुआ कि उसके बच्चों की तस्वीरों का इस्तेमाल भीख मांगने के लिए किया जा रहा है. जल्लाफ ने कहा, सोशल मीडिया पर अपने बच्चों को बदनाम कर और उन्हें बेइज्जत कर यह महिला १७ दिनों में ५० हजार डॉलर जुटाने में कामयाब रही. ब्रिगेडियर अल जल्लाफ ने लोगों से सड़कों पर या सोशल मीडिया पर भिखारियों के साथ सहानुभूति नहीं रखने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि अनलाइन भीख मांगना अपराध है और दुबई पुलिस इन मामलों में कार्रवाई करती है. उन्होंने कहा कि भिखारी ऑनलाइन झूठ बोलकर लोगों की भावनाओं का दोहन करते हैं और उन्हें ठगते हैं. संयुक्त अरब अमीरात में साइबर ठगी आपराधिक मामला है . इस पर सजा का प्राविधान है।

प्रवासी श्रमिकों के लिये सड़कों पर हैं 12 हजार बसें : योगी

लखनऊ। प्रवासी श्रमिकों से पैदल और अवैध वाहनो से यात्रा नहीं करने की अपील करते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सड़क परिवहन निगम की १२ हजार बसें प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह जिले पहुंचा रही हैं। योगी ने लाकडाउन व्यवस्था की समीक्षा बैठक में आज कहा कि प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित वापसी के लिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने निःशुल्क ट्रेन तथा बस की व्यवस्था की है। श्रमिक स्वयं व परिवार के हितों को ध्यान में रखते हुए पैदल अथवा अवैध एवं असुरक्षित वाहनों से यात्रा न करें। उन्होने कहा कि अब तक प्रदेश में ८३८ श्रमिक एक्सप्रेस से १४ लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक पहुंचे हैं। अगले दो दिन में २०६ ट्रेने और आएंगी। इस प्रकार १,०४४ ट्रेनों की व्यवस्था कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यूपी रोडवेज की १२ हजार बसें प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह जिले पहुंचा रही है। इसके अलावा सरकार ने प्रत्येक जिलाधिकारी के निवर्तन पर २०० बस की व्यवस्था की है। इस प्रकार सभी ७५ जिलों को कुल १५ हजार बसें अतिरिक्त रूप से उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते ही प्रवासी कामगारों को भोजन तथा पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है जिसके बाद इनकी स्क्रीनिंग करते हुए उन्हें सुरक्षित व सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बॉर्डर क्षेत्र के साथ–साथ टोल प्लाजा एक्सप्रेस–वे तथा प्रमुख चौराहों पर भी प्रवासियों के लिए भोजन पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देश दिए।

ईद सादगी और गरीबो की मदद के रूप मे मनाये

आगामी ईद व अलविदा जुमा पर्व समेत लाकडाउन की स्थिति को लेकर हुई शांति बैठक

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबादः कोरोना महामारी के बीच रमजान माह व ईद और अलविदा जुमे के त्यौहार के बाबत शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। जिस कड़ी में बुधवार को नगर के नारायण डिग्री कालेज के सभाकक्ष में मुस्लिम धर्मगुरुओ, मौलानाओं, कमेटियों के साथ सौहार्द पूर्व वातावरण में बैठक संपन्न हुई। बैठक में एसपी ग्रामीण राजेश कुमार की उपस्थिति में यह तय किया गया कि सभी लोग अपने–अपने घरों में ईद का त्योहार मनायें व नमाज अदा करें। उन्होंने सभी धर्मगुरुओं से अनुरोध किया कि वे भी अपने–अपने क्षेत्रों में अपील करें कि आने वाले ईद के त्योहारों को सादगी के साथ अपने–अपने घर पर ही मनाएं तथा ईद की नमाज सभी लोग अपने–अपने घरों पर ही पढ़ें। वही मौलाना हबीब अशरफ ने कहा कि सभी मुस्लिम भाई त्योहारों में भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, यह प्रयास करें कि किसी बाहरी से शारीरिक संपर्क न हो। थोड़ी–थोड़ी देर पर हाथों को सैनिटाइज करते रहे। बहुत आवश्यक होने पर ही घर का एक युवा सदस्य ही बाहर निकले। घरों से अनावश्यक बाहर निकलने से बचें। आज ही मस्जिदो से एलान किया जाएगा की ईद पर कोई भी नये कपडे नही खरीदेगा। समाजसेवीं सद्दाम हुसैन ने कहा कि वेसे तो ईद खुशी का त्योहार है और पूरे भारत मे लोग महामारी से परेशान है इस बार कोई भी मुस्लिम भाई ईद का त्योहार नही मनायगा। जिस पैसे के आप लोग कपडे खरीदते उन्ही पैसो को आप गरीबो को बांट दे। सीओ इंदु प्रभा सिंह ने कहा की जो लोग जहाँ है वहीं रहें। सरकार की गाइड लाइन का पालन करें और हमारा सहयोग करें। कोरोना से हम सभी को मिलकर लड़ना ही नहीं उसे परास्त करना है।

फांसी लगने से तीन लोगों की मौत

फिरोजाबाद। जनपद में अलग अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत फांसी लगने से तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस दो शवों को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। जवकि एक का परिजनों ने पंचनामा के बाद बिना पोस्टमार्टम कराये ही अंतिम संस्कार कर दिया। थाना उत्तर क्षेत्र के मौहल्ला कबीर नगर खेड़ा निवासी सूरजपाल (३३) पुत्र नाथूराम की बुधवार की सुवह फांसी लगने से मौत हो गयी। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। दूसरी घटना में थाना मटसेना के गांव किशनदासपुरा निवासी हरवीर सिंह (२५) पुत्र बृजभान सिंह ने भी किसी कारणवश फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची मटसेना पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। तीसरी घटना में थाना उत्तर क्षेत्र के जमुना नगर निवासी दीपक (१६) पुत्र अषोक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक शराब पीने का आदी था। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मोटर साइकिल चोरी रिपोर्ट दर्ज

सिरसागंजः थाना क्षेत्र के अन्तर्गत अराव पुल के समीप लघुशंका करने गये युवक की अज्ञात चोर मोटर साइकिल लेकर रफूचक्कर हो गये। इस सम्बन्ध में पीडित गौरव कुमार निवासी कृष्णा नगर शिकोहाबाद ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में उन्होंने कहा है कि वह वर्तमान में सिरसागंज बस स्टैण्ड पर डयूटी करता है। सोमवार रात्रि करीब ६ बजे वह अपनी बाइक पल्सर मोटर साइकिल से अपने घर आ रहा था तभी वह अराव पुल के समीप पहुँचा ही था कि वह लघुशंका करने लगा तभी तीन अज्ञात युवक आये और मोटर साइकिल व उसमे रखे पर्स, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड तथा अन्य जरूरी कागज थे चुराकर ले गये। काफी खोजबीन करने के बाद भी जब मोटरसाइकिल नहीं मिली तो उन्होंने थाना पहुंचकर इसकी शिकायत दी। शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

छूट मिलते ही बाजारो मे लोटी रोनक, वाहनो की होर्न की आवाजे बाजारो मे गुंजी

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबादः नगर में बुधवार को प्रशासन की ढील देने के बाद से सभी दुकानें सुबह सात बजे से ही खुल गई। जिसके चलते बाजार में लॉकडॉउन से पहले का नजर सामने आने लगा है। बाजार में

लॉक डॉउन में छूट मिलते ही बाजार पूरी तरह से खुला, दुकानों पर उडी सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जिया

घूमने वालों के साथ ही खरीदारी करने वालों की भीड उमड रही है। इस दौरान शारीरिक दूरी का भी ख्याल नही रखा जा रहा है। पुलिस भी सुबह के समय लोगों को उनके हाल पर छोड रही है जिसके चलते शारीरिक दूरी का पालन नही हो रहा है। मंगलवार को जिला प्रशासन ने दूध, फल सब्जी के साथ ही खाद्यान्न व किराना दुकानों के साथ ही इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रोनिक्स, हार्डवेयर, मोबाइल, कपडे, पुस्तक, स्टेशनरी, बालू गिट्टी की दुकानों को सप्ताह में तीन दिन खोलने की अनुमति दी थी। जिला प्रशासन के आदेश आते ही व्यापारियों में खुशी की लहर दौड पडी। तो वही सुबह से ई रिक्सा, मोटरसाइकिल, कारे सहित बाजारो मे दिखाई दी जिससे बाजार मे

वाहनो के हॉर्न की आवाजे चारो तरफ गुंजने लगी जिससे नगर मे जाम के हाला भी दिखे। लॉकडॉउन के चलते खाद्यान्न की दुकानों के अलावा सभी दुकानें पूरी तरह से बंद थी जिससे व्यापारियों को भारी घाटा हो रहा था लेकिन बुधवार से बाजार में दुकानें खोलने की अनुमति के साथ ही व्यापारियों ने सुबह से ही दुकानों को खोल लिया। जूते चप्पल, मोबाइल, हार्डवेयर, मोबाइल रिपेयर, मोबाइल आदि की दुकानें खुलते ही लोगों की भीड उमड पडी। दुकानों पर एक साथ कई ग्राहक सामान की खरीदारी करने में जुटे हुए थे। व्यापारियों ने ग्राहकों को शारीरिक दूरी को लेकर कुछ नही कहागया जिसके चलते दुकानों में लोगों की बडी संख्या में भीड देखी गई। पुलिस प्रशासन भी ६ बजे के बाद सक्रिय हुआ और भीड को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस ने ज्यादा भीड के चलते कई दुकानों के चालान भी काट दिए। पुलिस ने व्यापारियों को चेतावनी दी है कि सभी व्यापारी भीड से सोशल डिस्टेंस का पालन कराए अन्यथा की स्थित में कार्यवाई की जायेगी। वही दोपहर के बारह बजते ही लोगो ने अपनी अपनी दुकाने बंद करना शुरू कर दी दुकाने बंद होते ही पूरे बाजार मे सन्नाटा छा गया।

कांग्रेस के प्रवासी मजदूर राहत सामग्री स्टाल का हुआ समापन

लखीमपुर खीरी। १६ मई को गोला गोकर्णनाथ जनपद लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी बाईपास रोड हाईवे पटेल चौराहा पूरन लाल वर्मा के आवास पर कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव उत्तर प्रदेश की प्रभारी श्रीमती प्रियंका गांधी के आवाहन पर अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी माननीय विधायक अजय कुमार लल्लू भैया के दिशा निर्देशन पर सचिव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रभारी जनपद लखीमपुर खीरी कुमुद गंगवार के देखरेख में अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी प्रहलाद पटेल के नेतृत्व में चल रहे विगत १० दिनों से प्रवासी मजदूर राहत सामग्री स्टाल नंबर दो पर लगभग ६०० बस यात्रियों को राहत सामग्री गुड़ ,चना, लइया एवं केले वितरण कर सभी प्रवासी श्रमिकों से एक ही अनुरोध किया गया की प्रशासन के अनुरूप आप सभी को लाकडाउन का अनुपालन करना है तभी आप सब सुरक्षित रह सकते हैं स्टाल से कुछ गिने–चुने प्रवासी मजदूर साइकिल व पैदल भी आकर के पैकेट प्राप्त किए स्टाल का आज दसवें दिन पर समापन भी किया गया क्योंकि स्टाल का मकसद पैदल व साइकिल एवं ठेलिया से निकल ले प्रवासी मजदूरों को नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था के लिए था लेकिन अब इनकी संख्या बहुत कम ना के बराबर ही है इन १० दिनों में हमारे 'कांग्रेस सिपाहियों' ने समय व सहयोग भी दिया इस स्टाल पर प्रमुख रूप से रामकुमार वर्मा ,सहजेंद्र दीक्षित ,प्रेम कुमार वर्मा ,अमित गुप्ता ,शुभम अग्निहोत्री ,नबी हुसैन, केके मिश्रा,अजय कुमार शुक्ला, मतीन शाह, विपुल गुप्ता ,युसूफ अली ,मुस्ताक अली, हंसराम स्वर्णकार ,गौरव मिश्रा,शोऐब आलमश, प्रदीप वर्मा , अनिल शुक्ला, हसन रजा बरकाती ,इमदाद रजा बरकाती, संतोष शर्मा, अर्कवंशी शिव भगवान रघुनायक ,पंकज पटेल आदि ष्कांग्रेस सिपाही गणों ष्ने तन मन धन से स्टाल को संचालित रखने का कार्य किया इस इस स्टाल से लगभग ६०० छःहजार प्रवासी श्रमिकों को राहत दी गई अब आगे यदि प्रवासी मजदूर पैदल साइकिल ठिलिया सेदिखाई देंगे तो उनके लिए कांग्रेस पार्टी की तरफ से हम सचल वाहन से हर मार्ग पर नाश्ता व भोजन देने का काम करेंगे यह हमारी कांग्रेस पार्टी का संकल्प है कि कोई भी प्रवासी श्रमिक इस संकट की घड़ी में भूखा रहकर ना चले।

कांग्रेस की सूची में कार, ऑटो, स्कूटर के नंबर शामिल : योगी

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने अब आरोप लगाया है कि प्रवासी श्रमिकों को ले जाने के लिए कांग्रेस द्वारा राज्य सरकार को सौंपी गई बसों की सूची में कार, स्कूटर और ऑटो के पंजीकरण वाले नंबर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के मंत्री और सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थ नाथ सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि इस तरह की धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए कांग्रेस की निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी को चाहिए कि वह अपने बच्चों प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी की हरकतों का जवाब दें। एक राजनीतिक दल का प्रवासी श्रमिकों के नाम पर इस तरह से 'ओछी राजनीति' करना क्षमा योग्य कृत्य नहीं है। कांग्रेस को देश से

माफी मांगनी चाहिए।" मंत्री ने आगे कहा कि जब कांग्रेस ने प्रवासियों को ले जाने के लिए बसें प्रदान करने की अनुमति मांगी, तो उत्तर प्रदेश सरकार ने वाहनों के विवरण मांगे थे, लेकिन बसों की इस सूची में कार, स्कूटर और ऑटो के पंजीकरण वाले नंबर शामिल हैं। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि हो सकता है कि कुछ संख्या गलत लिखी गई हो, लेकिन पार्टी एक हजार बसें उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि योगी सरकार ने कांग्रेस से कहा कि वह गाजियाबाद के कौशाम्बी बस स्टेशन पर ५०० बसें और गौतमबुद्धनगर के एक्सपो मार्ट मैदान के पास ५०० बसों को दोपहर तक भेज दे, ताकि प्रवासी मजदूरों को लाया जा सके।

'बसों की राजनीति' पर भाजपा व कांग्रेस घिनौनी राजनीति कर रही : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रवासी मजदूरों को लाने में हो रही 'बसों की राजनीति' पर कांग्रेस और भाजपा को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को घर भेजने के नाम पर भाजपा व कांग्रेस घिनौनी राजनीति कर रही हैं जोकि अति दुर्भाग्यपूर्ण है। मायावती ने बुधवार को ट्विटर के माध्यम से लिखा, "पिछले कई दिनों से प्रवासी श्रमिकों को घर भेजने के नाम पर खासकर बीजेपी व कांग्रेस द्वारा जिस प्रकार से घिनौनी राजनीति की जा रही है, यह अति–दुर्भाग्यपूर्ण है। कहीं ऐसा तो नहीं ये पार्टियां आपसी मिलीभगत से एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप करके इनकी त्रासदी पर से ध्यान बांट रही हैं?" उन्होंने कहा, "यदि ऐसा नहीं है तो बीएसपी का कहना है कि कांग्रेस को श्रमिक प्रवासियों को बसों से ही घर भेजने में मदद करने पर अड़ने की बजाए, इनका टिकट लेकर ट्रेनों से ही इन्हें इनके घर भेजने में इनकी मदद करनी चाहिये, जो ज्यादा उचित व सही होगा।" मायावती ने कहा, "इन्हीं सब बातों को खास ध्यान में रखकर ही बीएसपी के लोगों ने अपने सामर्थ्य के हिसाब से प्रचार व प्रसार के चक्कर में ना पड़कर पूरे देश में इनकी (प्रवासियों की) हर स्तर पर काफी मदद की है, बीजेपी व कांग्रेस पार्टी की तरह इनकी मदद की आड़ में कोई घिनौनी राजनीति नहीं की है।" बसपा मुखिया ने कहा, "बीएसपी की कांग्रेस पार्टी को यह भी सलाह है कि यदि कांग्रेस को श्रमिक प्रवासियों को बसों से ही उनके घर वापसी में मदद करनी है अर्थात ट्रेनों से नहीं करनी है तो फिर इनको अपनी ये सभी बसें कांग्रेस–शासित राज्यों में श्रमिकों की मदद में लगा देनी चाहिए तो यह बेहतर होगा।"

राम गोविन्द्र चौधरी ने की आजम खां को रिहा कराने की विधानसभा से अध्यक्ष सिफारिश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी(सपा) नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राम गोविन्द्र चौधरी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर सांसद आजम खां तथा उनके परिवार को स्वास्थ्य कारणों एवं पवित्र रमजान महीने में ईद को देखते हुये मुख्यमंत्री से उनकी शीघ्र रिहाई की सिफारिस कराने का अनुरोध किया है। चौधरी ने विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है सपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद मोहम्मद आजम खाँ, उनकी पत्नी तजीन फातिमा, एवं पुत्र अब्दुला आजम खां, जिला कारागार सीतापुर मे निरूद्ध हैं। पति–पत्नि दोनों की तबीयत बहुत खराब चल रही है। पत्नी श्रीमती तजीन फातिमा का कुल्ले का आपरेशान हुआ था, अव्यवस्था के चलते उसमें पस आ गया, यही नहीं हाल ही में बाथरूम में फिसल जाने से उनके हाथ की हड्डी भी टूट गयी है। सीतापुर अस्पताल में प्लास्टर हुआ है, जिससे काफी तकलीफ में हैं। उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खाँ नौं बार विधान सभा में सदस्य रहे हैं, कई बार मंत्री रहे हैं। उनकी पत्नी श्रीमती तजीन फातिमा विधानसभा में सदस्य हैं। पूर्व में राज्य सभा सदस्य रहीं हैं। वह बीमार एवं वृद्ध हैं जिसके चलते जेल में रहते इनको कोरोना से काफी खतरा है। तजीन फातिमा विधान सभा की सदस्या हैं और आप हम सभी सदस्यों के संरक्षक हैं। कोरोना महामारी के चलते प्रदेश में लगभग हर जिले के जेलों से कैदी रिहा भी किये गये हैं। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी आजम खां एवं उनके परिवार की रिहाई की मांग की थी। चौधरी ने कहा कि मेरे द्वारा भी पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से मोहम्मद आजम खाँ एवं उनके परिवार को यथाशीघ्र रिहा करने के लिये अनुरोध किया गया था, लेकिन अभी तक रिहाई नहीं हो सकी है। इस समय इस्लाम धर्म में सबसे पवित्र महीना रमजान चल रहा है, जिसमें मुसलमान लोग बिना भोजन–पानी के रोजा रखते हैं और शिद्दत से अपने इष्ट देव अल्लाह की इबादत करते हैं। नेता प्रतिपक्ष श्री चौधरी ने विधानसभा अध्यक्ष से सिफारिस की है कि मोहम्मद आजम खां एवं परिवार के स्वास्थ्य कारणों एवं इस पवित्र रमजान महीने में ईद को देखते हुये मुख्यमंत्री से उनकी शीघ्र रिहाई के आदेश कराने के लिये अनुरोध करने की ंपा करें।

बसों को प्रवेश की इजाजत नहीं मिलने के बाद यूपी बार्डर से कांग्रेस की बसें वापस

लखनऊ। प्रवासी श्रमिकों के लिये बसों को लेकर बुधवार को लगातार पांचवें दिन कांग्रेस और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी रहा। दोनो ही दलों के नेताओं ने एक दूसरे पर राजनीति करने का आरोप लगाया वहीं बसों को प्रवेश की इजाजत नहीं मिलने के बाद राजस्थान सरकार द्वारा यूपी बार्डर पर खड़ी बसें वापस हो गयी जबकि आगरा में गिरफ्तार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को लखनऊ पुलिस अपने साथ लेकर आ गयी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दोपहर साढ़े तीन बजे १० मिनट ३६ सेकेंड का एक वीडियो जारी कर कहा कि कांग्रेस ने सेवा भाव से सड़क पर चल रहे प्रवासी श्रमिकों के लिये बसें उपलब्ध करायी थी। योगी सरकार को इसमें राजनीति नहीं करनी चाहिये। यह संकट का समय है जिसमें सभी राजनीतिक दलों को मिल कर देश में मुसीबत में घिरे प्रवासी की मदद करनी चाहिये। उन्होने कहा कि पिछले सप्ताह सड़क हादसों में मारे गये

श्रमिकों को देखकर उन्होने यूपी रोडवेज की बसें चलाने का आग्रह राज्य सरकार से किया था और जब उन्होने बसें नहीं चलवायी तो शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा कि कांग्रेस एक हजार बसे चलाने की अनुमति चाहती है जिससे राह चलते श्रमिकों को उनके ठिकानो तक पहुंचाया जा सके जिसके जवाब में सरकार ने कहा कि राज्य के पास १२ हजार बसें है और उन्हे और बसों की जरूरत नहीं है तो कांग्रेस ने राजस्थान बार्डर पर खड़ी बसें वापस बुला ली। वाड्रा ने कहा कि बाद में यूपी सरकार ने कहा कि कांग्रेस बसों को चालक परिचालक की सूची के साथ लखनऊ में सौंपे जिसका कोई मतलब नहीं था क्योंकि हमें बार्डर पर फंसे श्रमिकों को उनके इलाकों में ले जाना था। बाद में उन्होने बसों की हालत को लेकर कई तरह के आरोप लगाने शुरू कर दिये। अगर कुछ बसों के नम्बर गलत थे तो उन्हे ठीक किया जा सकता था लेकिन करीब ६०० बसों को सीमा से जाने की इजाजत दे देते तो करीब ६२ हजार श्रमिक सड़कों पर पैदल चलने के बजाय सुरक्षित अपने घरों में होते। उन्होने कहा "श्रमिक भाई बहनों के लिए ये संकट का समय है। इस समय संवेदना साथ उनकी मदद करना ही हम सबका उद्देश्य है।"

यूलिया वंतूर को लांच करेंगे सलमान खान

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान अपनी फ्रेंड यूलिया वंतूर को फिल्म इंडस्ट्री में लांच कर सकते हैं। सलमान खान को बॉलीवुड में गॉडफादर माना जाता है। सलमान ने कई कलाकारों को लांच किया है। काफी समय से चर्चा हो रही है कि सलमान खान अपनी फ्रेंड यूलिया वंतूर को फिल्म जगत में लॉन्च कर सकते हैं, जो अबतक नहीं हुआ। ऐसी चर्चा है कि अब सलमान खान ने यूलिया को बॉलीवुड में लाने का मन बना लिया है। यूलिया सिंगिग में अपना हाथ आजमा चुकी हैं। बताया जा रहा था कि यूलिया वंतूर सलमान खान के अगली प्रोडक्शन फिल्म कभी ईद कभी दिवाली में दिखाई दे सकती हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक जानकारी आना बाकी है। यूलिया लॉकडाउन में सलमान खान के फार्म हाउस पर ही रह रही हैं। उनके साथ जैकलीन फर्नांडीस भी हैं, जिन्होंने हाल ही में सलमान खान के साथ गाना भी शूट किया था। यूलिया हाल ही में सोशल मीडिया पर सलमान के फार्म हाउस पर मस्ती करते हुए फोटो और वीडियो शेयर कर रही हैं। साथ ही पहले सलमान खान के साथ रिलेशनशिप की खबरों को लेकर भी यूलिया काफी चर्चा में रही थीं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक